Hindi Language Memory based RRB PO Mains 2016

Directions (161-175): नीचे दिए गए गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़िए और उस पर आधारित प्रश्नों के उत्तर दीजिए। कुछ शब्दों/ वाक्यों को मोटे अक्षरों में मुद्रित किया गया है, जिससे आपको कुछ प्रश्नों के उत्तर देने में सहायता मिलेगी।

मानव नामक नर-प्राणी, वयस्क होते ही, अपना जीवन साथी पसंद करने के बारे में , अपनी बुद्धिमत्ता और समझदारी से, कुछ ख्याल को पाल-पोष कर, उसके अनुरूप किसी नारी के साथ विवाह के बंधन में बंध जाता है । फिर आजीवन इसी **मिथ्याबोध** में जीता है कि, मेरी पत्नी, मेरे उन ख्याल के अनुरूप, बानी-व्यवहार अपना कर,**सहजीवन** का सच्चा धर्म निभा रही है। पर, सत्य हकीक़त यही होती है कि, विवाह के पश्चात, पति देव के ख्यालात आहिस्ता-आहिस्ता कब बदल कर पत्नी के रंग में रंग जाते हैं, पता ही नहीं चलता।

वैसे, अगर कोई पति अपने सारे विचार पत्नी के विचारों से एकाकार कर दें , इसमें कोई बुराई नहीं है..!! पर हाँ, पत्नी के अलावा, परिवार के बाकी सदस्य को, अपने बेटे-भाई के ऐसे भोलेपन पर एतराज़ ज़रूर हो सकता है।

हालाँकि, पति देव के मुकाबले, जगत की सभी पत्नीओं की, छठी इंद्रिय बचपन से ही, जाग्रत होने की वजह से, वह ये बात अच्छी तरह जानती हैं कि , विवाहित जीवन सुखद बनाने के लिए , पति को समझने में ज्यादा समय व्यतित करना चाहिए और उसे प्यार करने में कम से कम।

इसी तरह, पति देव भी, अपने नर-प्राणी होने की **गुरूताग्रंथी** से ग्रसित होकर, शादी के बाद थोड़े ही दिनों में समझ जाता है कि , विवाहित जीवन सुखद बिताने के लिए , पत्नी को प्रेम करने का दिखावा करने में ज्यादा समय देना चाहिए और उसे समझने के लिए कम से कम। (जिसे बनाने के बाद, खुद ईश्वर आजतक समझ न पाया हो, उसे कोई पति क्या ख़ाक समझ पाएगा?) इसीलिए,ऐसा कहा जाता है कि, जीवन में दो बार आदमी, औरत को समझ नहीं पता, एक शादी से पहले और दूसरा शादी के बाद।

पत्नी को समझने में अपना दिमाग ज्यादा खर्च न करने के कारण ही , विवाहित पुरूष, किसी कुँवारे मर्द के मुकाबले ज्यादा लंबी आयु बिताते है , ये बात और है कि , विवाह करने के बाद , ज्यादातर पति देव लंबी आयु भुगतने के लिए राज़ी नहीं होते..!!

भारत में हिंदु धर्म के अनुसार, `पत्नी` ऐसी नारी है, जो अपने पति के साथ, अपनी पहचान सहित, घर संसार के सभी विषय, चीज़ में, समान अधिकार रखती हो , जीवन के निर्णय एक दूसरे के साथ मिलकर करती हो , अपने परिवार के सभी सदस्य के आरोग्य , अभ्यास एवं अन्य ज़िम्मेदारी का वहन करती हो।

हमारे देश में करीब, 90% विवाह,पति-पत्नी के दोनो परिवारों की सहमति से किए जाते हैं। जिस में धर्म, जाति,संस्कृति और एक जैसी आर्थिक सक्षमता-समानता को ध्यान में रख कर, ये विवाह संबंध जोड़े जाते हैं।

सन-1960-70 के दशक तक तो, भारत के कई प्रांत में, घर के मुखिया की पसंद के आगे , नतमस्तक होकर, हाँ-ना कुछ कहे बिना ही विवाह करने का रिवाज़ अमल में था। हालाँकि , ऐसे रिवाज़ के चलते कई पति-पत्नी आज भी मन ही मन अपना जीवन , किसी बेढंगी बैलगाडी की रफ़्तार से, मजबूर होकर, बेमन से संबंध निभा रहे होंगे..!!

मुझे सन 1958 का एक, ऐसा ही किस्सा याद आ रहा है , हमारे गुजरात के एक गाँव में , किसी कन्या को देखने के लिए गए हुए , एक युवक और उसके माता पिता को , भोजन का समय होते ही , कन्या के माता-पिता ने , मेहमानों को भोजन ग्रहण करने के लिए प्रेमपूर्वक आग्रह किया, जिसे मेहमान ठुकरा न सके। उधर कन्या के परिवार को लगा कि, विवाह के लिए सब राज़ी है, तभी तो हमारे घर का भोजन मेहमानोंने ग्रहण किया है..!! अतः विवाह वांच्छुक युवक की झूठी थाली में , उस कन्या को उसकी माता ने भोजन परोसा। मारे शर्म के कन्या ने , अपने होनेवाले पति का झूठा भोजन ग्रहण किया..!! हिंदु शास्त्र की मान्यता के अनुसार , जो कन्या ऐसे समय किसी युवक का झूठा खा लेती हैं तो, वह दोनों विवाह के लिए राज़ी है ऐसा माना जाता है।

हालाँकि,बाद में पता चला कि, कन्या का वर्ण श्याम होने के कारण, युवक इस कन्या से विवाह करने को राज़ी न था, पर परिवार के मुखिया के दबाव में आकर, उस युवक को अंत में, उसी कन्या से शादी करनी पड़ी..!!

आज भी ऐसी मान्यता है कि,"शादी-ब्याह, ईश्वर के यहाँ, पहले से तय हो जाते हैं। हम तो सिर्फ निमित्तमात्रहै।"

प्रारंभ में भले ही इस बात का उल्लेख किया गया है कि , नारी को समझने का प्रयत्न, पुरूष को नहीं करना चाहिए..!! पर सच्चाई ये है कि, अगर विवाह वांच्छुक युवक-युवती, उनकी पहली मुलाकात के वक़्त ही पर्याप्त सावधानी बरतें, तो विवाहित जीवन सुखद होने की संभावना कई गुना बढ़ जाती है।

सन 1970 के बाद, जाति के बंधन टूटने का चलन बढ़ने की वजह से , आजकल ऐसा समय आ गया है कि , युवक-युवती शादी का फैसला खुद करते हैं जिसमें बाकी परिवारवालों को , अपने मन या बेमनसे, सिर्फ सहमति जताना बाकी होता है। इसके कई कारण है , जैसे कि, आज़ाद पीढ़ी के, आज़ाद नये विचार, सेटेलाईट क्रांति के चलते, पश्चिमी विचारधारा का बढ़ता प्रभाव, परिवार में बड़े-बुजुर्ग का घटता मान और घर से दूर, देश-परदेशमें नौकरी-धंधे के कारण, अपने समाज से अलग होने के संयोग, संतान के पुख्त होने के बाद,

उनके स्वतंत्र निर्णय अधिकार के समर्थन में बने कड़े कानून , वगैरह, वगैरह..!! वैसे यह बात अलग है कि , मुग्धावस्था में शारीरिक आकर्षण के कारण, विवाह करने के, त्वरित लिए गए फैसले, कई बार ग़लत साबित होते हैं और पति-पत्नी दोनों ,`न घर के न घाट के` हो जाते हैं..!!

हमारे देश में मनोरंजन के नाम पर, प्रसारित हो रही करीब-करीब सारी सिरियल्स में, परिवार की किसी एक बहु को `वैम्प `के रूप में पेश करके, कथा को रोचक बनाने के मसाले कूटे जाते हैं , यह देखकर मैं सोचता हूँ, ये सारे चेनल्स वाले, किसी भी नारी को इतना ख़राब क्यों दर्शाते हैं ? मगर कहानियाँ भी तो वास्तविक जीवन से ही लिखी जाती है , क्या पुरूष-क्या नारी? समाज में ऐसे अनिष्ट मौजूद है, इतना ही नहीं, ये बड़े दुर्भाग्य की बात है कि, उनकी देखा देखी, दूसरे अच्छे लोग भी, अपनी मनमानी करने के लिए, ऐसे बुरे शॉर्ट कट अपनाने लगे हैं।

हमारे देश की संस्कृति में जहाँ ,`नारी को नारायणी (देवी) ` का रूप माना गया हैं , उससे बिलकुल विपरीत , ऐसी कहावत भी प्रचलित है कि, "नारी अगर वश में रहे तो अपने आप से, और अगर बिगड़े तो जाएं सगे बाप से..!!"

अर्थात नारी को प्यार से रखें तो किसी एक पुरूष के अधिपत्य में आजीवन रहती है , पर एक हद से ज्यादा , उसे प्रताडित किया जाए, तो वह अपने सगे बाप का अधिपत्य भी स्वीकारने से इनकार कर सकती है..!!"

हालाँकि, कर्कशा पत्नीओं की कलयुगी कहानी कोई नयी बात नहीं है, राम राज्य में भी कैकेयी-मंथरा की जुगलबंदी ने, राजा दशरथ को सचमुच खटीया (मृत्युशैया) पकड़ने पर मजबूर करके, राजा की खटीया खड़ी कर दी थी। इसी प्रकार महाभारत का भीषण युद्ध भी इर्षालु कर्कशा पत्नीओं के कारण ही हुआ था..!!

एकबार, एक कंपनी की ऑफ़िस में , काम से सिलसिले से मैं गया। वहाँ दोपहर की चाय-पानी का विराम काल था और कंपनी के आला अधिकारी के साथ पूरा स्टाफ मौजूद था , ऐसे में किसी बात पर स्टाफ के एक मेम्बर ने कबूल कर लिया कि , घर में उसकी पत्नी का राज है और वह अपनी पत्नी का चरण दास है..!! फिर तो क्या था..!! जैसे अपने मन में भरे पड़े, दबाव से सब लोग छुटकारा चाहते हो, धीरे-धीरे सब स्टाफ मेम्बर्स ने कबूल किया कि, वे सब पत्नी के चरण दास है और पत्नी के आगे उनकी एक नहीं चलती..!!

कर्कशा पत्नी को सुधारने का सही उपाय शायद यही है कि , आप पूर्ण निष्ठा भाव से , उनके चरण दास बन जाइए , बाकी सबकुछ अपने आप ठीक हो जाएगा ? अगर कुछ ठीक नहीं भी हो पाया तो , कम से कम , घर का माहौल ज्यादा बिगाड़ने से तो बच ही जाएगा..!! वर्ना..किसी रोज़ घरेलू हिंसा के , तरकटी मुक़द्दमों में फँस कर, पुलिस स्टेशन - कोर्ट कचहरी के चक्कर काटने शुरू हो सकते हैं।

CAREER POWER™
AN IIMM ALUMNI COMPANY

Q161. दिए गए गद्यांश के सन्दर्भ में निम्नलिखित में से कौन-सा कथन असत्य है?

A. एक पति को हमेशा अपनी पत्नी को समझने का प्रयास करना चाहिए.
B. पत्नी को हमेशा अपने पति से प्रेम करने में समय व्यतीत करना चाहिए.
C. पति हमेशा एक खुशफहमी में जीता है कि उसकी पत्नी उसके अनुरूप व्यवहार करती है।

(a) केवल A
(b) केवल B
(c) केवल C
(d) A, B और C सभी
(e) केवल A और B

Q162. पत्नी के अलावा, परिवार के बाकी सदस्यों को, अपने बेटे-भाई किस व्यवहार से अवश्य ही एतराज़ हो सकता है?

(a) नर-प्राणी होने की गुरूताग्रंथी से ग्रसित होने पर
(b) पत्नी से अत्यधिक प्रेम करने के लिए
(c) अपनी पत्नी के विचारों से पूरी तरह सहमत होने
(d) अपनी पत्नी को नहीं समझने के लिए
(e) इनमें से कोई नहीं

Q163. सन-1960-70 के दशक तक, भारत के कई प्रांत में, किसकी पसंद के आगे, नतमस्तक होकर, हाँ-ना कुछ कहे बिना ही विवाह करने का रिवाज़ अमल में था?

(a) लड़के की पसंद,
(b) रिश्तेदारों की पसंद,
(c) लड़की की पसंद,
(d) परिवार के मुखिया की पसंद,

(e) इनमें से कोई नहीं

Q164. उपर्युक्त गद्यांश में प्रयुक्त मुहावरा **'न घर का न घाट का'**का अर्थ क्या है?
(a) कहीं का न रहना
(b) आपत्तिजनक कार्य करना
(c) समाज में मान सम्मान का समाप्त होना
(d) आवारा इधर-उधर घूमना
(e) इनमें से कोई नहीं

Q165. उपर्युक्त गद्यांश के अनुसार -कर्कशा पत्नी को सुधारने का सही उपाय शायद यही है कि , आप पूर्ण निष्ठा भाव से, किसके चरण दास बन जायें?
(a) अपनी माँ के,
(b) अपने पिता के,
(c) अपनी पत्नी के,
(d) अपनी सास के,
(e) इनमें से कोई नहीं

Q166. उपर्युक्त गद्यांश के अनुसार- हमारे देश की संस्कृति में,`नारी को किस रूप माना गया हैं,
(a) लक्ष्मी
(b) दुर्गा
(c) नारायणी (देवी)
(d) सीता
(e) इनमें से कोई नहीं

Q167. उपर्युक्त गद्यांश के सन्दर्भ में, एक कन्या को देखने आया युवक, कन्या के किस दोष के कारण, विवाह करने के लिए राजी नहीं हुआ?
(a) कन्या का कर्कशा होने के कारण
(b) कन्या का स्याम वर्ण का होने के कारण
(c) कन्या के दुर्व्यवहार के कारण
(d) कन्या का आर्थिक रूप से कमजोर होने के कारण
(e) इनमें से कोई नहीं

Q168.उपर्युक्त गद्यांश के अनुसार, हमारे देश में, धर्म, जाति, संस्कृति और एक जैसी आर्थिक सक्षमता-समानता को ध्यान में रख कर , विवाह संबंध जोड़े जाते हैं, इसमें से करीब 90% विवाह किसकी सहमती से होते हैं?
(a) लड़का और लड़की की सहमती से,
(b) समाज की सहमती से,
(c) लड़का और लड़की के परिवारों की सहमती से,
(d) कानून की सहमती से,
(e) इनमें से कोई नहीं

Q169.उपर्युक्त गद्यांश के अनुसार, पति को अपना विवाहित जीवन सुखद बनाने के लिए क्या करना चाहिए?
(a) पत्नी से प्रेम करने का दिखावा करने में ज्यादा समय देना चाहिए,
(b) पत्नी को समझने में अधिक-से अधिक समय देना चाहिए,
(c) पत्नी के परिवार जनों से मतलब नहीं रखना चाहिए,
(d) पत्नी को वश में करके रखना चाहिए,
(e)इनमें से कोई नहीं

Q170. उपर्युक्त गद्यांश के अनुसार,पत्नी को अपना विवाहित जीवन सुखद बनाने के लिय क्या करना चाहिए?
(a) पति को वश में करके रखना चाहिए,
(b) पति के परिवार जनों से मतलब नहीं रखना चाहिए,
(c) पति को प्यार करने में अधिक से अधिक समय देना चाहिए,
(d) पति को समझने में ज्यादा समय व्यतित करना चाहिए,
(e)इनमें से कोईनहीं

Directions (171-175):नीचे प्रत्येक प्रश्न में पांच शब्द दिए गए है जिनमे से एक की वर्तनी अशुद्ध है वही विकल्प आपका उत्तर है:

Q171. (a) अतिथि
(b) आध्यात्म
(c) अंत्येष्टि
(d)अनुगृहीत
(e) अधीक्षक

Q172. (a)निरोग
(b) न्योछावर
(c) नुकसानदेह
(d) नेस्तनाबूद
(e)नाकारा

Q173. (a) गुरु
(b) गलघोंटू
(c) गँवाना
(d) गदगद
(e)गीतांजलि

CAREER POWER™
AN IIT/IIM ALUMNI COMPANY

Q174. (a) राशिफल
(b) रासायनिक
(c) रुपहला
(d) रेणु
(e)रणबाँकुर

Q175. (a) जीणोर्द्धार
(b) जयंति
(c)ज्योत्स्ना
(d) ज्योतिषी
(e)ज़रूरी

Directions: (176-180):नीचेदिएगएप्रत्येकवाक्यचारभागोंमेंबाँटागयाहैजिन्हें (A), (B), (C) और (D) क्रमांकदिएगएहैं।आपकोंयहदेखनाहैकिवाक्यकेकिसीभागमेंव्याकरण, भाषा, वर्तनीशब्दोंकेगलतप्रयोगयाइसीतरहकीकोईत्रुटितोनहींहै।त्रुटिअगरहोगीतोवाक्यकेकिसीएकभागमेंहीहोगी।उसभागकाक्रमांकहीआपका उत्तरहै।अगरवाक्य 'त्रुटिरहित'हैतोउत्तर (E) दीजिए।

Q176. जो मनुष्य (a) / राष्ट्रप्रेमी होता है (b)/ उसको देश की एक-न-एक वस्तु से (c) / प्रेम हो जाता है। (d) / कोई त्रुटी नहीं (e)

Q177. शीर्षक को छोटा (a) / आकर्षक तथा (b) / विषय से सम्बद्ध (c)/ रखना चाहिए। (d) / कोई त्रुटी नहीं (e)

Q178. जिस प्रकार से आभूषणों के द्वारा (a) / शरीर में शोभा बढ़ी जाती है (b) / उसी प्रकार अलंकारो से (c) / भाषा में चमत्कार आ जाता है। (d) / कोई त्रुटी नहीं (e)

Q179. समय का सदुपयोग (a) / द्वारा (b) / मनुष्य देवता (c) बन जाता है। (d) कोई त्रुटी नहीं (e)

Q180. अरुणाचल प्रदेश में (a) / प्रात:काल (b) / के समय का दृश्य (c) / अत्यंत मनोरम होता है। (d) / कोई त्रुटी नहीं (e)

Directions (181-185): निम्नलिखित प्रश्नों में दिए गए शब्द के लिए पांच विकल्प हैं। पांच विकल्पों में से चार प्रश्न में दिए गए शब्द से समान रूप से सम्बंधित हैं। विषम शब्द का चयन कीजिए।

Q181.**अनुग्रह**
(a) प्रसाद
(b) करुणा
(c) सहिष्णुता
(d) अनुग्रह
(e) कृपा

Q182.**अलंकार**
(a) श्रृंगार
(b) गहना
(c) आभूषण
(d) भूषण
(e) तस्बीह

CAREER POWER™
AN IIT/IIM ALUMNI COMPANY

Q183.**सतत**
(a)नित्य
(b) गतिमान
(c) शाश्वत
(d) स्थिर
(e) निरंतर

Q184.**अर्पण**
(a) ग्रहण
(b) स्वीकृत
(c) अर्जित
(d) समर्पित
(e) अंगीकरण

Q185. **आविर्भाव**
(a) उद्दीप्त
(b) तिरोभाव
(c) भंगुर
(d) अस्थायी
(e) असार

Directions (186-190): नीचेप्रत्येक प्रश्न में (A), (B), (C), (D) और (E) पाँचकथनदिएगएहैं।इन्हेंइसतरहक्रमबद्धकीजिएकिउनसेएकअर्थपूर्णपरिच्छेदबनजाए।फिरउसकेबाददिएगएविकल्पों में से सही विकल्प को चुनिए।

Q186. A. पेशवा के प्रतिनिधि ने कठोर होकर कहा, "जान पड़ता है आप पढ़े-लिखे नहीं हैं।
B. खेद है कि आजकल कुछ लोग इतने गिर गए हैं कि झूठ बोलकर दक्षिणा लेते हैं।
C. उनको इस तरह बौखलाते हुए देखकर सब लोग हँस पड़े।
D. आपको राजकोष से दक्षिणा नहीं मिल सकती पर जो माँगने आया है उसे निराश लौटाना भी अच्छा नहीं लगता। इसलिए मैं आपको अपने पास से भीख देता हूँ।
E. आप ब्राह्मण हैं। आपको झूठ बोलना शोभा नहीं देता।
(a) ABCDE
(b) CABED
(c) BACBD
(d) DABCE
(e) CABDE

Q187. A. दरबार में बीरबल की ही तूती बोलती और ख्वाजा साहब की बात ऐसी लगती थी जैसे नक्कारखाने में तूती की आवाज़।
B. अकबर के एक खास दरबारी ख्वाजा सरा को अपनी विद्या और बुद्धि पर बहुत अभिमान था।
C. लेकिन अपने ही मानने से तो कुछ होता नहीं!
D. ख्वाजा साहब की चलती तो वे बीरबल को हिंदुस्तान से निकलवा देते लेकिन निकलवाते कैसे!
E. बीरबल को तो वे अपने सामने निरा बालक और मूर्ख समझते थे।
(a) ABCDE
(b) EDCBA
(c) BDECA
(d) BECAD
(e) ECABD

CAREER POWER™
AN IIT/IIM ALUMNI COMPANY

Q188. A. रियासत देवगढ़ में यह खेल बिलकुल निराली बात थी।
B. एक दिन नये फैशनवालों को सूझी कि आपस में हाकी का खेल हो जाए।
C. संभव है, कुछ हाथों की सफाई ही काम कर जाए।
D. चलिए तय हो गया, फील्ड बन गई, खेल शुरू हो गया और गेंद किसी दफ्तर के अप्रेंटिस की तरह ठोकरें खाने लगा।
E. यह प्रस्ताव हाकी के मँजे हुए खिलाड़ियों ने पेश किया। यह भी तो आखिर एक विद्या है। इसे क्यों छिपा रखें।
(a) BEADC
(b) DECAB
(c) BECDA
(d) ABCDE
(e) CAEBD

Q189. A. राजा साहब अपने अनुभवशील नीतिकुशल दीवान का बड़ा आदर करते थे।
B. जब रियासत देवगढ़ के दीवान सरदार सुजानसिंह बूढ़े हुए तो परमात्मा की याद आई।
C. कहीं भूल-चूक हो जाए तो बुढ़ापे में दाग लगे। सारी ज़िंदगी की नेकनामी मिट्टी में मिल जाए।
D. बहुत समझाया, लेकिन जब दीवान साहब ने न माना, तो हार कर उनकी प्रार्थना स्वीकार कर ली, पर शर्त यह लगा दी कि रियासत के लिए नया दीवान आप ही को खोजना पड़ेगा।
E. जा कर महाराज से विनय की कि दीनबंधु! दास ने श्रीमान् की सेवा चालीस साल तक की , अब मेरी अवस्था भी ढल गई, राज-काज संभालने की शक्ति नहीं रही।
(a) BACED
(b) BECAD
(c) ABCDE
(d) DEACB

(e) CDEBA

Q190. A. भगवद्-भजन से जो समय बचता, वह घोड़े को अर्पण हो जाता।
B. बाबा भारती उसे 'सुल्तान' कह कर पुकारते, अपने हाथ से खरहरा करते, खुद दाना खिलाते और देख-देखकर प्रसन्न होते थे।
C. माँ को अपने बेटे और किसान को अपने लहलहाते खेत देखकर जो आनंद आता है, वही आनंद बाबा भारती को अपना घोड़ा देखकर आता था।
D. उन्होंने रूपया, माल, असबाब, ज़मीन आदि अपना सब-कुछ छोड़ दिया था , यहाँ तक कि उन्हें नगर के जीवन से भी घृणा थी।
E. वह घोड़ा बड़ा सुंदर था, बड़ा बलवान। उसके जोड़ का घोड़ा सारे इलाके में न था।
(a) ABCDE
(b) EABCD
(c) DECAB
(d) CAEBD
(e) BACDE

Directions(191-200): **नीचे दिए गए परिच्छेद में कुछ रिक्त स्थान छोड़ दिए गए हैं तथा उन्हें प्रश्न संख्या में दर्शाया गया है। ये संख्याएँ परिच्छेद के नीचे मुद्रित हैं, प्रत्येक के सामने** (a), (b), (c), (d) **और** (e) **विकल्प दिए गए हैं। इन पांचों में से कोई एक इस रिक्त स्थान को पूरे परिच्छेद के संदर्भ में उपयुक्त ढंग से पूरा कर देता है। आपको वह विकल्प ज्ञात करना है , और उसका क्रमांक ही उत्तर के रूप में दर्शाना है। दिए गए विकल्पों में से सबसे उपयुक्त विकल्प का चयन करना है।**

संस्कृत भाषा भारत देश की सबसे(191) भाषा है, इसी से देश में दूसरी भाषाएँ निकली है। सबसेपहलेभारत में संस्कृत ही बोली गई थी। आज इसेभारत के 22 अनुसूचित भाषाओं में सेएक के रूप में (192) किया गया है। उत्तराखंड राज्य की यह एक (193) भाषा है। भारत देशके प्राचीन ग्रन्थ, वेद आदि की (194) संस्कृत में ही हुई थी. यह भाषा बहुत सी भाषाओँ की (195) है, इसके बहुत से शब्दों के द्वारा अंग्रेजी के शब्द बनेहै. महाभारत काल में वैदिक संस्कृत का प्रयोग होता था. संस्कृत आज देश की कम बोली जानी वाली भाषा बन गई है. लेकिन इस भाषा की (196) को हम सब जानते हैं, इसके द्वारा ही हमें दूसरी भाषा सीखने बोलने में मदद मिली, इसकी (197) से बाकि भाषा की व्याकरण समझ में आई.

संस्कृत भाषा बहुत सुंदर भाषा है, येकई सालोंसेहमारेसमाज को (198) बना रही है. संस्कृत भाषा भारतीय संस्कृति के विरासत का प्रतिक है. यह ऐसी कुं जी है, जोहमारे प्राचीन ग्रंथों और हमारे धार्मिक सांस्कृतिक परंपराओंके असंख्य रहस्यों को जानने में मदद करती है. भारत के इतिहास में सबसे अधिक (199) और (200) सामग्री, शास्त्रीय ग्रन्थ संस्कृत में ही लिखे गए हैं. संस्कृत के अध्ययन से विशेष रूप से वैदिक संस्कृत के अध्ययन से, हमें मानव इतिहास के बारे में समझने और जानने का मौका मिलता है, और ये प्राचीन सभ्यता को रोशन करने में भी सक्षम है. हाल के अध्ययनों में यह पाया गया है कि संस्कृत हमारे कंप्यूटर प्रोग्रामिंग के लिए भी सबसे अच्छा विकल्प है।

Q191. (a) समृद्ध
(b)प्राचीन
(c) कठिन
(d) सरल
(e) अप्रयोज्य

Q192. (a) सूचीबद्ध
(b) सुलभ
(c) प्रयुक्त
(d) अधिसूचित
(e) सूचित

Q193. (a) लोक
(b) राजकीय
(c) सर्वप्रयुक्त
(d) अधिकारिक

(e) इनमें से कोई नहीं

Q194. (a) सृजन
(b) रचना
(c) कृति
(d) लेखन
(e) इनमें से कोई नहीं

Q195. (a) माता
(b) जननी
(c) मातृभाषा
(d) कारक
(e) हेतु

Q196. (a) गरिमा
(b) जटिलता
(c) महत्ता
(d) सहजता
(e) इनमें से कोई नहीं

Q197. (a) सहायता
(b) सहयोग
(c) प्रयोग
(d) उच्चारण
(e) इनमें से कोई नहीं

CAREER POWER™
AN IIT/IIM ALUMNI COMPANY

Q198. (a) साक्षर
(b) शिक्षित
(c) सुसंकृत
(d) सभ्य
(e) समृद्ध

Q199. (a) प्रयोज्य
(b) मूल्यवान
(c) जटिल
(d) चरित्रवान
(e) इनमें से कोई नहीं

Q200. (a) लाभदायक
(b) हानिकारक
(c) शिक्षाप्रद
(d) प्राचीन
(e) बोधगम्य

Answers

S161. Ans.(d)
S162. Ans.(c)
S163. Ans.(d)
S164. Ans.(a)
S165. Ans.(c)
S166. Ans.(c)
S167. Ans.(b)
S168. Ans.(c)
S169. Ans.(a)
S170. Ans.(d)
S171. Ans.(b)
S172. Ans.(a)
S173. Ans.(d)
S174. Ans.(b)
S175. Ans.(b)
S176. Ans.(c)
S177. Ans.(d)
S178. Ans.(b)
S179. Ans.(a)
S180. Ans.(e)
S181. Ans.(c)
S182. Ans.(e)
S183. Ans.(c)
S184. Ans.(d)
S185. Ans.(a)
S186. Ans.(b)
S187. Ans.(d)
S188. Ans.(c)
S189. Ans.(b)
S190. Ans.(d)
S191. Ans.(b)
S192. Ans.(a)
S193. Ans.(d)
S194. Ans.(b)
S195. Ans.(b)
S196. Ans.(c)
S197. Ans.(a)
S198. Ans.(e)
S199. Ans.(b)
S200. Ans.(c)

CAREER POWER™
AN IIT/IIM ALUMNI COMPANY